का॰ ज्ञा॰ सं॰ II/20015/9/2000-रा॰भा॰ (नीति-2), दिनांक 30.3.2000

विषय:— हिन्दी सलाहकार समितियों की बैठकों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी सही आंकड़े प्रस्तुत करना।

मंत्रालय/विभागों की हिन्दी सलाहकार समितियों की बैठकों में चर्चा के लिए विभिन्न मदों के साथ एक मद राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों की समीक्षा करना भी है। हाल ही में एक मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक में संबंधित मंत्रालय तथा उसके सम्बद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों आदि में हिन्दी के प्रयोग के संबंध में जो आंकड़े प्रस्तुत किए गए थे उन्हें सदस्यों ने विचार-विमर्श के दौरान गलत पाया। अध्यक्ष महोदय ने जब संबंधित अधिकारियों से स्थिति स्पष्ट करने को कहा तो उन्होंने बैठक में स्वीकार किया कि आंकड़े सत्य नहीं हैं और उन्हें जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है। सदस्यों ने इस बात पर रोष व्यक्त किया। क्योंकि समिति की बैठकें लम्बे अन्तराल के बाद आयोजित होती हैं और आंकड़े ही गलत पेश किये जायें तो बैठक पर किया गया वित्तीय व्यय और मूल्यवान समय तो नष्ट होता ही है, राजभाषा हिन्दी के प्रति घोर उपेक्षा भी प्रदर्शित होती है।

2. सभी मंत्रालय/विभाग राजभाषा हिन्दी के प्रयोग व संबंध में त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट आदि के माध्यम से आंकड़े भेजते हैं। इन आंकड़ों की सत्यता प्रमाणित करने का दायित्व विभागाध्यक्ष का है। अत: विभागाध्यक्ष इस प्रकार की रिपोर्टों पर हस्ताक्षर करने से पूर्व उनमें दिए गए आंकड़ों की सत्यता सुनिश्चित कर लें ताकि हिन्दी सलाहकार समिति आदि को सही सूचना दी जा सके और उनकी बैठकों में लाभकारी विचार-विमर्श/मंत्रणा हो सके।